ALL RIGHTS RESERVED
सर्वाधिकार सुरक्षित

2021

GENERAL HINDI

सामान्य हिन्दी

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक* : 100

अनुदेश :

- उपान्त के अंक पूर्णांक के द्योतक हैं।
- **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें।
- परीक्षार्थी यथासम्भव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
- एक ही प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से एक साथ ही लिखे जाएँ तथा उनके बीच में अन्य प्रश्नों के उत्तर न लिखे जाएँ।

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग *500* शब्दों में निबंध लिखिए : 30

(क) भारत की सामाजिक समस्याएँ

(ख) वर्तमान समय में गाँधीवाद की प्रासंगिकता

(ग) नई शिक्षा नीति—2020

(घ) कोरोना काल में क्या खोया क्या पाया?

(ङ) भारतीय राजनीति में जातिवाद

(च) महिला सशक्तिकरण

उसके पास होता है। यही कलाएँ उसे विज्ञान से जोड़कर एक रचनात्मक समाज की स्थापना की राह दिखाती हैं। विज्ञान जब रचनात्मक होगा तो कला का हिस्सा होगा, वह जीवन के साथ होगा। विध्वंस का विज्ञान प्रकृति की रचना के खिलाफ है जो जीवन के लिए खतरे ही मोल लेगा!

3. निम्नलिखित सभी अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए : 1×10=10

(क) ये बक्सा बहुत भारी है।

(ख) आपके एक-एक शब्द प्रभावशाली होते हैं।

(ग) कई स्कूल के विद्यार्थी ऐसा करते हैं।

(घ) उसने अनेकों ग्रन्थ लिखे।

(ङ) महाभारत अठारह दिनों तक चलता रहा।

(च) वह देर में सोकर उठता है।

(छ) सिंह बड़ा बीभत्स होता है।

(ज) उस पर घड़ों पानी गिर गया।

(झ) तुम हमेशा बेफ़िजूल की बातें करते हो।

(ञ) वह बहुत जल्दी वापस लौट आया।

2. निम्नलिखित अवतरण का **एक-तिहाई** शब्दों में सार लिखते हुए उसका उपयुक्त शीर्षक दीजिए : 15

वैश्विक महामारी के इस दौर में जब मनुष्य के सामने जीवन-संकट की चुनौतियाँ हैं और वह किंकर्तव्यविमूढ़ता की स्थिति में है तब साहित्य ही वह चेतना देने वाला आत्मतत्त्व है जो संकट के हर दौर में जूझने की ताकत समाज को देता आया है। यही कारण है कि मानव-सभ्यता के प्रारंभिक चरणों में ही साहित्य, संगीत व कला ने लोक माध्यमों के रूप में समाज को आत्मज्ञान व आत्मबल देना शुरू किया। चाहे लोक-साहित्य हो, संगीत या फिर दूसरे कला-माध्यम, इन सब विधाओं से ही हमें चेतना मिलती रही है जिसकी खास जरूरत संकट के दौर में होती है। ताकि हम जीवन स्थितियाँ व सत्य को समझ सकें और बिना किसी संताप के उससे जूझने का ताप अर्जित कर सकें। भौतिकता की चरम स्थितियाँ पाकर भी मनुष्य अपनी लालसा के मरुस्थल से बाहर नहीं निकल पाता। यह साहित्य-कला की ही ताकत है कि इसके अध्येता के प्रभा-मंडल में भौतिक चमक-दमक भी मलीन हो जाती है। जीवन तत्त्व को जानने व समझने की वैज्ञानिक दृष्टि यही कला माध्यम देते हैं और मनुष्य किसी भी संकट से उबरने की मानसिक ताकत पाकर अपने समाज को समय के साथ आगे ले जाने के संघर्ष में सफल रहता है। साहित्य, कला व संगीत जिस समाज के जीवन का अनिवार्य हिस्सा होते हैं वह समाज आगे बढ़ जाता है, और हर तरह के संकट से निपटने का निदान

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1×5=5

(क) अग्नि

(ख) अँधकार

(ग) आकाश

(घ) कामदेव

(ङ) चपला

(च) तालाब

(छ) धनुष

(ज) नदी

(झ) पवन

(ञ) बादल

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 1×5=5

(क) जो उच्च कुल में उत्पन्न हुआ हो

(ख) जो दूसरों पर अत्याचार करे

(ग) जिसकी उपमा न हो सके

(Turn Over)

4. निम्नलिखित मुहावरे-लोकोक्तियों में से किन्हीं **पाँच** का अर्थ लिखकर उन्हें वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए : $3 \times 5 = 15$

(क) खिचड़ी पकाना

(ख) गड़े मुर्दे उखाड़ना

(ग) घाव पर मरहम लगाना

(घ) चिराग तले अँधेरा

(ङ) अपना उल्लू सीधा करना

(च) अटकेगा सो भटकेगा

(छ) अपनी करनी पार उतरनी

(ज) ऊँची दुकान फीका पकवान

(झ) प्यास लगने पर कुआँ खोदना

(ञ) आगे कुआँ पीछे खाई

5. सर्वनाम की परिभाषा देते हुए उसके भेदों को सोदाहरण लिखिए। 10

(घ) जो बिना वेतन के कार्य करता हो

(ङ) वह सूचना जो सरकार की ओर से जारी हो

(च) जिसके आने की तिथि निश्चित न हो

(छ) जिसका कोई शत्रु न जन्मा हो

(ज) पूर्व में लिखे गए पत्र का स्मरण कराने हेतु लिखा गया पत्र

(झ) हाथ में पकड़कर चलाया जाने वाला हथियार

(ञ) इंद्रियों को भ्रमित करने वाला

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** समासों के समस्त पदों का विग्रह करते हुए समास बताइए : $1 \times 5 = 5$

(क) सेनानायक

(ख) पतित पावन

(ग) महाकवि

(घ) त्रिफला

(ङ) राजाज्ञा

(च) पर्णकुटीर

(छ) मृगनयन

(ज) सीताराम

(झ) चक्रधर

(ञ) सप्तसिंधु

9. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच उपसर्गों के दो-दो शब्द बनाइए : $1 \times 5 = 5$

अनु ; अभि ; उप ; निस् ; प्रति ; अध ; गैर ; ला ;
भर ; परा।

★ ★ ★